दीवानी श्याम की | By Luv Kush

मुरली बजाने, रास रचाने
आये हैं मेरे श्याम सखी मैं दीवानी होई

मोर मुकुट सोहे कानो में कुण्डल
श्यामल वरन चंद्र मुख मंडल
गल में माला भुजा विशाला
देख के उसका रूप निराला
मैं तो बिकी बिन दाम सखी मैं दीवानी होई
आये हैं घनश्याम सखी मैं दीवानी होई

मोहनी सूरत बदन कटीला
है चितचोर ये छैल छबीला
नज़रे मिला के दिल को चुरा के
प्रेम के झूठे ख्वाब दिखा के
नींदे कर दे हराम सखी मैं दीवानी होई
आये हैं मेरे श्याम सखी मैं दीवानी होई

पाँव में पैजनिया तेरे रुनझुन
गूँज उठे जब मुरली की धुन
लवकुश गायें सबको सुनाएँ
रघु भी आये सर को झुकाये
दास लिखे जो कलाम सखी मैं दीवानी होई
आये हैं मेरे श्याम सखी मैं दीवानी होई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-luv-kush/